आत्मा संदेश

आत्मा, पूर्वी सिंहभूम की किसानोपयोगी गतिविधियों की एक झलक

अप्रैल - 2022 • संयुक्त कृषि भवन, करणडीह, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम • फरवरी - 2023

प्रस्तावना

श्री मिथिलेश कु0 कालिंदी, परियोजना निदेशक, आत्मा, पूर्वी सिंहभूम

आत्मा, पूर्वी सिंहभूम द्वारा अप्रैल 2022 – फरवरी 2023 तक चलाई गई कृषि की प्रसार गतिविधियों का संकलन, आत्मा, संदेश समाचार पत्रिका के माध्यम से समर्पित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है। किसानोपयोगी कार्यकलापों की संक्षिप्त झलक का संकलन को अवगत कराने का प्रयास किया गया है। जिला स्तर पर उपायुक्त–सह–अध्यक्ष (आत्मा), पूर्वी सिंहभूम एवं उप विकास आयुक्त–सह उपाध्यक्ष (आत्मा), पूर्वी सिंहभूम एवं राज्य स्तर पर नोडल पदाधिकारी (आत्मा)–सह–कृषि निदेशक, झारखंड तथा निदेशक समेति, झारखंड के नियमित मार्गदर्शन का आत्मा के गतिविधियों को गति देने में उल्लेखनीय भूमिका रही है। कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के समेकित समन्वय सहयोग के द्वारा (आत्मा), पूर्वी सिंहभूम अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतू सतत् प्रयत्नशील है और आत्मा परिवार उनके सहयोग का सदा आभारी रहेगा।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि कृषक भाई–बहनों की जनसहभागिता तथा आत्मा से जुड़े संस्थानों के सतत् सहयोग से जिले के कृषि परिदृश्य में सदाबहार कृषि का मार्ग प्रशस्त होगा।

कृषक प्रशिक्षण - आत्मा, एग्रीकल्चरल एक्स्टेंसन योजनान्तर्गत कृषकों को कृषि नई तकनीकी जानकारी देने के लिए समेकित कृषि प्रणाली विषय पर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 553 किसान भाई एवं जे.एस.एल.पी. एस. की सखी मंडल की महिला किसानों के द्वारा कृषि उद्यानिकी एवं पशुपालन के विषयों पर प्रशिक्षण पाया। पानी की बचत करते हुए कैसे खेती की जाय इसकी जानकारी लेने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का लाभ लेते हुए करने का सुझाव प्रशिक्षण के दौरान दिया गया

है इसके अलावे मिट्टी नमूना संग्रहण एवं स्वायल कार्ड का उपयोग, जैविक विधि से सब्जी की खेती, मशरूम उत्पादन, पशुपालन एवं प्रबंधन, रबी फसल प्रबंधन एवं कीट नियंत्रण, समेकित कृषि प्रणाली, रबी में दलहन/तेलहन फसल की खेती प्रशिक्षण का मुख्य विषय रहा।

कृषक परिभ्रमण - आत्मा, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्स्टेंसन योजनान्तर्गत 380 कृषकों को जिला एवं राज्य स्तर पर कृषक परिभ्रमण कराया गया। कृषि के विभिन्न संस्थानों में परिभ्रमण के दौरान किसानों को कृषि के नई तकनीकी की जानकारी दी जाती है ताकि किसान ज्ञान हासिल

कर फसल उत्पादन में वृद्वि कर सके। जिला स्तर पर गुड़ाबांदा प्रखंड के सिंगपुरा ग्राम में गर्म जलवायु में होने वाले सेव की खेती, सब्जियों की खेती में मल्चिंग एवं सुक्ष्म सिंचाई का प्रयोग करते हुए पानी का बचत एवं खरपतवार से रोकथाम विषय जानकारी देने के लिए प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्र में परिभ्रमण कराया गया।।

कृषि एवं उद्यान से संबंधित प्रत्यक्षण - सब्जी फसलों के नये प्रभेदों के उत्पादन एवं खेती के नये तकनोकों की जानकारी देने के लिए कृषक के प्रक्षेत्र में प्रत्यक्षण का कार्य कराया जाता है। योजना के अंतर्गत मटर की वैज्ञानिक खेती का प्रत्यक्षण 30 किसानों एवं स्ट्राबेरी की उन्नत खेती की जानकारी के लिए प्रत्यक्षण कराया गया है। इस जिले में स्ट्राबेरी एवं मटर की खेती नहीं के बराबर होती है। किसानों को स्ट्राबेरी एवं मटर की खेती को बढ़ावा देने के उदेश्य एवं आय में वृद्धि हेतू नये फसल का प्रत्यक्षण कराया गया है।

कृषक पाठशाला - सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्स्टेंसन योजनान्तर्गत सभी 11 प्रखंडों में रबी में प्रति प्रखंड 2 पाठशाला का आयोजन मटर की उन्नत खेती विषय पर किया गया है। एक पाठशाला के अंतर्गत 25 कृषक प्रशिक्षण एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम में भाग लेते है जिसमें से एक प्रगतिशील कृषक को संचलनकर्त्ता सभी की सहमत्ति से चुना जाता है। पाठशाला का संचालन प्रखंड तकनीकी प्रबंधक या तकनीकी प्रबंधक के मार्गदर्शन में चलाया जाता है।

कृषक गोष्ठी का आयोजन - खरीफ एवं रबी मौसम में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषकों को कृषि एवं संबद्ध विभाग यथा कृषि, उद्यान, मत्स्य, सहकारिता, पशुपालन एवं गव्य विकास द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान किया गया। कृषि में एफ0 पी0 ओ0, जैविक खेती, कृषि ऋण माफी, e-NAM के तहत् कृषकों को पंजीकरण की जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत कृषि यंत्र का वितरण - केन्द्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, दलहन योजना के अंर्तगत 50 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को कृषि यंत्र वितरण किया जा रहा है। जिसका लाभ जिले के किसान उठा रहे है। 30 किसानों को पंप सेट, 2 किसानों को रोटावेटर वितरण किया गया है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

पूर्वी सिंहभूम आकांक्षी जिला के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा चयनित जिला है जिसमें किसानों के विकास के लिए कई घटकों पर कार्य किए जा रहे है। उन घटको में से ही एक मृदा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र है जिसमें दिए गए परामर्श के अनुसार किसान अपने खेतों में साद का प्रयोग कर सकते है। इस परिपेक्ष्य में दिसम्बर 2022 माह से आकांक्षी जिला फेलो श्री प्रशांत, परियोजना निदेशक आत्मा, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं कृषक मित्र के द्वारा जिला उपायुक्त पूर्वी सिहभूम के मार्गदर्शन में एक अभियान चलाया गया। जिसके तहत् ग्राम स्तर पर कृषक मित्रों के द्वारा मिट्ठी नमूना का संग्रहण किया गया एवं ऑन लाईन गुगल सीट पर लाभुकों का विवरणी भरा गया। गुगल सीट में भरे गए लाभुकों की सूची के अनुसार प्रखंड स्तर पर प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहयक तकनीकी प्रबंधकों के द्वारा कृषक मित्रों के द्वारा भरे गए संग्रहित मिट्ठी नमूना जिला स्तर पर मिट्ठी जॉच प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए उपलब्ध कराया गया। इस अभियान में आकांक्षी

जिला फेलो श्री प्रशांत, परियोजना निदेशक आत्मा, एवं उप परियोजना निदेशक, आत्मा का भूमिका काफी महत्वपूर्ण रहा जिनके मार्गदर्शन में 8582 मिट्टी नमूना का विश्लेषण किया जा रहा है जिससे उतने किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र वितरण किया जा सकेगा। जिसका लाभ किसान अगले फसल के लगाने के पूर्व विभागीय परामर्श के अनुसार खाद का प्रयोग कर सकेंगे।

किसान मेला सह कृषि उत्पाद एवं पशु - पक्षी प्रदर्शनी - दिनांक 11 फरवरी से 12 फरवरी 2023 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, दारीसाई, घाटशिला परिसर में किसान मेला का आयोजन किया गया। किसान मेला में जिले के 575 किसानों ने फसल,सब्जी, फल,फुल एवं पशु पक्षी के साथ भाग लिया। किसान मेला का षुभारंभ माननीय विधायक, घाटशिला के श्री रामदास सोरेन के द्वारा किया गया। दो दिवसीय किसान मेला में किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजन किया गया है। उत्कृष्ट कृषि उत्पाद लाने वाले सभी किसानों को एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम सटीक उत्तर देने वाले प्रगतिशील कृषकों को प्रोत्साहन हेतू पुरस्कृत किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष कार्यशाला का आयोजन –

संतुलित व पौष्टिक आहार उत्तम स्वास्थ्य का मूल मंत्र है। कुछ समय से लोग स्वसथ जीवनशैली के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार ग्रहण करने हेतु जागरूक हो रहे है। पौष्टिक अनाज देश में आहार का पारंपरिक घटक रहें है। पुरानी कहावत है ''जैसा खाओगे वैसा पाओगे'' क्योंकि स्वस्थ खानपान हो तो षरीर भी स्वस्थ होगा। इसलिए परिवार को स्वस्थ रखने के लिए क्यों न पौष्टिक अनाजों को अपनाया जाय जैसेः मडुआ, ज्वार बाजरा, कंगनी कुटकी, कोदो, चेना तथा सांवा आदि। ये सभी अनाज अत्यंत प्राचीन एवं मनुष्य जाति के लिए परिचित है। ये अत्याधिक पौष्टिक, ग्लूटेन– रहित तथा अम्लरोधी खाद्य है। इसलिए आसानी से पचने व संतुष्टि प्रदान करने वाले होते है। इन अनाजों में रेशे, बी–कॉम्प्लेक्स विटामिन, आवश्यक अमिनो तथा वसीय अम्ल एवं विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। इनमें विशेषकर खनिज, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटैशियम ज्यादा मात्रा में पाये जाते हैं तथा लंबे समय तक मुक्त ग्लूकोज का प्रतिशत कम होता है परिणामस्वरूप मधुमेह का खतरा कम होजाता है। इन खाद्याानों में प्रोटीन की मात्रा 6से 11 तथा वसा की मात्रा 1.5 से 5 प्रतिशत तक अलग– अलग होती है। झारखण्ड राज्य में मिलेट्स फसलों की आपार संभावनाएं है।

United National General Assembly द्वारा वित्तीय वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है, जिसके आलोक में भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रत्येक राज्य में अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाने का निर्णय लिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के आलोक में दिनांक 12 फरवरी 2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में जिला स्तर पर मिलेट्स (श्री अन्न) को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संपादक मंडल

संरक्षक : **श्रीमती विजया जाधव,** भा.प्र.से., उपायुक्त–सह–अध्यक्ष (आत्मा), पूर्वी सिंहभूम
मुख्य संपादक एवं प्रकाशक : **श्री मिथिलेश कु0 कालिंदी,** परियोजना निदेशक, आत्मा, पूर्वी सिंहभूम
संपादक : **श्रीमती गीता कुमारी,** उप परियोजना निदेशक, आत्मा, पूर्वी सिंहभूम
टंकण एवं साजसज्जा : **श्री अर्जुन सोरेन,** कम्प्यूटर ऑपरेटर, आत्मा, पूर्वी सिंहभूम

annapurnaprinters, rnc@gmail.com • 98357 78101